



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 277076

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : ASHUTOSH MISHRA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

31-8-24

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

CHHATARPUR (MP)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

महत्वपूर्ण अनुदेश		Important Instructions
	उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हद्दिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

① THE WORLD MUST LEARN TO WORK TOGETHER,
OR FINALLY IT WILL NOT WORK AT ALL

The larger idea behind above argument is that world is facing complex challenges which can not be solved by individual countries. The "interdependence" is fundamental idea for the prosperity of world. Therefore, all countries must come together to solve various global issues. Otherwise, it would lead to massive destruction.

Aurobindo, one of the greatest philosophers of India emphasised in his theory of Human Unity that - "Aggregation is law of universe, if we will not follow nature, nature will destroy us". Like wise, if we try to understand the larger philosophy behind human evolution, then it also emphasise on movements of human society towards increased interdependence.

Forexample, in earlier time man was living alone but it created family, later it formed village, society and state. Now, even state can not solve all the crisis. Therefore, we must move towards global interdependence (globalised society). And, it require that world must learn to work together.

Now, we are analysing other arguments which requires world to work together.

firstly, the ultimate objective of any society

is to promote peace, prosperity and justice.
The present world order does not represent
the qualities like equality, democratisation
which can open path for enduring peace.

Moreover, Nations have multiple disputes
based upon territorial claim, ethnic interest
and colonial history. Such issues can only
be solved when the "spirit of togetherness"
will dominate over all other perception.

The idea of "working together" will open
path for representative and just institutes.

It will ensure permanent peace and prosperity.

Secondly, if we look at present world then
it is facing multiple challenges in term of
Climate change, extreme disaster, global
terrorism, issue of hunger and poverty,
and war prone atmosphere. Take the
example of global Pandemic like COVID.

It was not possible for single country
to defeat the COVID without cooperation
with each other. Countries shared genomic

Sequencing, drugs, research with each other.
The cooperation of vaccine development and
distribution through COVAX, GAVI alliance,
WTO led to saving the world from
negative consequences of such global virus.

Similarly, the Tsunami of 2004 Indian ocean
required the efforts of all the countries to
decrease the losses of life. The issue of
Climate change can not be solved, until
all the countries are coming and working
together. The success of Paris deal 2015 will
happen only when countries are working
with the spirit of "sabka sath and sabka
prayas".

Thirdly, the economic prosperity of world depend
upon higher growth which require
innovation and increased pace in industrial
revolution 4.0. The trickle down of higher
economic growth will address the issue of
poverty, inequality and exploitation.
However, the success of IR4.0 require that

World is working together - Today, world need collaboration among research ecosystem of different countries. The developed and rich countries must provide Capital investment for IR4.0 whereas countries like India, China should provide Skilled youth. Africa and Latin America will provide new market for these innovations. Therefore, it is only the "Working together spirit" which can open Path for new research and exploration.

lastly, one significant feature of present world order is massive human right violation through war, Terrorist and other violence means. The recent eg. of Ukraine war which resulted massive killings of civilian, children and women. Or take the example of Gaza crisis which has resulted more than 35000 killing in just 8 months. This reflects that our global institution like United nation and its security council have failed in stopping war, which was its primary

Objective. The idea of "collective security" is no more the fundamental idea of global governance.

As mentioned by Immanuel Kant that Human dignity is categorical imperative. It is supreme virtue. Thus, it is important for world to come together and make such institutions which prioritise rule of law, collective security, justice and peace for all.

Having considered the needs for world to come together, Now we are looking into reasons that what stops world for work together. +

If we go with realist approach then they give geopolitical explanation. For them, neighbours are natural enemy and countries are always guided with their national interest. Therefore, countries follow path of war, terrorism and enmity to pursue their own interests.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Second explanation for such divisive world emphasise on unjust political culture. In present world, nations give priority to "territorial security" over "human security". Therefore, they enter into war to protect territorial interests. Moreover, international politics lacks ethics in its functioning. The conception of End justify the means is guiding light for many nation. Take the example of Pakistan, Iran which have used terrorism as their state policy. Hence, in such atmosphere, world cannot work together.

The third explanation which prevents world for work together is structural nature of international order. In present world, state has absolute sovereignty. Thus, nations are free to make its choices. In such atmosphere, international institutes become subordinate to national sovereignty. Thus, this nature of world prioritise national concern over global concern. Take the example of America

which started tariff war and made WTO dysfunctional for its narrow national interests. During Trump presidency, it comes out of Paris agreement as it prioritised national concern over global concern.

Thus, the idea of "working together" can only succeed when we dilute national sovereignty through supranational institutions. European Union is classic example of it.

Finally, it is also argued that lack of democracy in many states prevent states to work together". The example of Pakistan is very relevant. Pakistan lacks democracy and Army enjoy massive power in their political system. Mohammad Yunus in his book

"The theory of nation interest" argues that Pakistani army project war and enmity with India as most important national interest to maintain its legitimacy. Thus, until democratic nature of state is not becoming universal, it is very difficult for world to come and work together.

It is very difficult to imagine the severe consequences of future world, if we will not work together. We can imagine the increased intensity of terror attacks which will lead to massive killing of civilians. Moreover, if climate change is not stopped, we can not save small island nation from submergence. It is argued that with same intensity of sea level rise, "fiji", a small island country in Pacific will disappear in next 100 years.

Furthermore, the world will become a place where many people will live animal like existence. The recent Taliban rule in Afghanistan and condition of women are example of it.

Additionally, there is also fear of nuclear war, nuclear disaster. Such scenario will create a world where nuclear winter, nuclear cloud, impact of radiation will become severe.

It should be noted that injustice, inequality

at one place would create instability in entire world. Thus, it is important for us to come together and work with the spirit of "brotherhood".

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

There are many suggestions which can promote the norms where world is working together.

One, we need to bring reforms in global governance. Democratisation and increased representativeness in United Nations is need of hour. These institutions will become foundational platform to promote "work together spirit".

Second, we need to promote economic independence through trade. It will develop such interlinkages which will force for cooperation. Moreover, the continuing interaction, visa liberalisation, people to people contact will enhance the spirit of "togetherness".

Third, the model of globalisation should be neoliberal (like American) or community of

Shared mankind (birechime). It should take inspiration from Indian model which emphasise on "Vasudhaiva Kutumbakam" and "Soore Bhavantu Sukhinah".

These norms has always been guiding principle for India. And that's why India has always been a moral power in World. The initiatives like vaccine man, voice of global south reflect norms of India led globalisation.

Finally, at the level of society, we need to change practices of our social & cultural structure. Along with patriotism, nationalism, we should also promote values of "global citizenship", "principles of humanity".

In later years, these children will become leaders of their own countries. Thus, they should be guided with concern of global structure. This will ensure permanent internationalisation of "working together spirit" ⁱⁿ world.

To conclude, we can say that if we
come together we will be able to create
a harmonious, prosperous and a just

world. If we do not learn to work together
then there is no end ^{to} of destruction.

The following "Doha" of Kabir summarizes it -

Ghaki Chalat Dekh Ke, Diya Kabera Roya
Do Patan Ke Beech Mai, Sabut Bacha No
Koya -

< If we will fight with each other, No
body would be able like a prosperous life >

उम्मीदवारों को
इस इशिये में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

खण्ड - B / SECTION - B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

6) To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is greatest accomplishment

The simplest meaning of above essay is that world always tries to impose its values, order, social norms on individuals, societies and nations. Those who are able to protect their values, identities, these are most successful. It is the highest accomplishment.

we will try to address following questions

in this essay. First, why world is constantly trying to make you something else. Second, why it is greater accomplishment when one protect "oneself" and, how we can protect the spirit of "being yourself".
Third,

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The first reason behind world effort to make you something else is narrow interests of those who are at powerful position. Take the example of developed nations and P-5 countries. They do not want bring reform in United nation, as it will go against their national interest. Thus, they force world to accept status quo. They force developing countries of Africa, Latin America and Asia to become Satellite state of rich and powerful and ensure perpetuation of above exploitation.

The second reason behind world effort to make you something else is to promote majoritarian views and to ensure protection of present social order. For example Multiple religious institutions justify gender inequality on the name of "Sacred social order". Take

the evidence of Sabrimala which promote discrimination based upon purity and pollution. Therefore, world tries to promote Patriarchal values so that these practices can be protected.

The third reason behind world's effort to make you something else is guided with dominant cultural values of our time. Foreg. Modern societies are under the hegemony of westernization. Even in context of India, people are leaving traditional values and adopting englishified culture.

There is a perception that western way of life is much more progressed. And, it is path for prosperity.

Apart from this, there are many other reasons which forced world to impose its views, ideas, identities which will ensure that people would not be able to protect their identity of "being yourself".

However, There are many examples where

people has been successful for protecting their own culture, values, identities. And, to day it is considered as greatest accomplishment. There are many reasons behind it-

Firstly, protecting the spirit of "being yourself" will protect one's values in crisis time.

It will not create the condition of crisis of conscience and cognitive dissonance.

Take the example of Mahatama Gandhi, who did not leave value of nonviolence and truth in Non-cooperation movement

despite immense pressure from other nationalist leaders. He called off Non-cooperation movement after Chauri Chauri violence of 1922

Today, Gandhiji and his value of nonviolence, and truth have become source of inspiration for entire world. Therefore,

protecting oneself in crisis time became the reason that Gandhi emerged as most celebratory figure of history.

Secondly, protecting the spirit of "being yourself"

also bring reform in society. It moves society towards progressive direction. The example of Raja Rammohan Roy is case in point. He took various efforts to remove Sati practices from society despite immense resistance from orthodox section. He was guided with his own values of gender equality and human dignity. Finally, he was successful in bringing government act for banning of Sati.

Today, RR Roy is considered as father of Modern Renaissance of India. Such achievement would not have been possible if he did not make effort to remain yourself when world was trying to make something else.

Thirdly, protecting oneself when world is imposing their values open path for ultimate pleasure. It create new and innovative ways of wellbeing. The example of Buddha is very relevant when his father was trying to

impose the materialistic norms like enjoy
"being king", living a household life style,
Buddha did not leave his inner motivation
to search ultimate path of prosperity.

This "not leaving oneself" spirit opened a
path of "Nirvana" for Buddha which is
itself a greatest accomplishment.

Finally, when one is guided with its own
culture, values, it is able to protect its
interest. In international context, USA was
forcing India to choose one block over
other in cold war period. However, India
went with "non-alignment". Even, in
post cold war world order, USA was
trying to curtail India's relationship with
Russia. However, India's conduct
reemphasised on multiple alignment
guided with strategic autonomy.

Since, India has historical identity
of a great power. Thus, it can't become
satellite state of other. The protection of

"being yourself" i.e. Strategic autonomy despite global pressure has served India's interest in much better way. It is one of the highest accomplishment for Indian foreign policy.

Now, the next question of discussion is that how we can protect the spirit of "being yourself". What are pathways?

One, there is need of permanent internalisation of values. one should not their intrinsic values despite pressure from outside.

Take the example civil service, there are many civil servants who have successfully protected their values of "serving the people", "integrity" despite immense pressure of corrupt system in term of transfer, bribe, allegations etc.

Two, there should be clarity of one's values, identities and goals. For example vivekananda successfully achieved the

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Spiritual perfection despite immense materialistic environment, because he was very clear with his objective of life. His values were source of self confidence and motivations factors to move towards his goals.

उम्मीदवारों को इस हशिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Third, To protect one's identity in such unfair world, it is also important to have "undeterred attitude". Take the example of Baba Saheb Ambedkar, he made every efforts for protection of rights of Dalits, untouchable despite excessive protests and resistance from upper caste. Thus, his identity of "being oneself" became source of motivation to bring reform in entrenched caste system.

Therefore, we must be guided with our own values, culture with courage of conviction, that will ensure that we become a force of change in current unjust world.

Protecting oneself will ensure protecting one's conscience in a world which is imposing

its own values. In broader terms, it will ensure peace, justice and harmony in multiple diverse societies.

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हार्शिय में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

World must learn to work together, or finally it will not work at all

Aurobindo
Agyayab

Meaning?

larger philosophy → individual → Family → Village → State → World → progress towards

why world must learn to work together

What is stopping world - Reason

How it will not work - consequence

Solutions → how to ensure

ground idea

Terrism - Chapter of justice
- climate war
- war

1 Global Gov. Reform

2 Socialism
↓
Social cons / Social lib.
↓
Realis → Capn
↓
talk, commun.

3 Economic inter

4 Socialism

5 global citizens
↓
Moral par
↓
vaccine
Mab
↓
ISA
↓
CARI

6 Idea of human unity of Aurobindo

7 Global civil society

9 interdependence - Funda

come together → solve issue

9 absence → Crisis

world → skill → progress towards

global challenges - climate change → flood, locust

Human spirit → world issues → loss of life → global in

3 Terrism → Collective Security - global in

4 Scientific research - space → going up

5 IR → 40 → innovation → growth

6 Nuclear disaster

technol - USA
human div. - India
invest

6 Resolving disputes peacefully

Justice, Equality, Freedom
→ es rasvaha Sam

war → WW-I, WW-II
Ukraine, Russia

Disaster - climate change

island nations will disappear

No disaster
→ No win, No gain

Animal like existence

Afghanistan
→ women rights

Terrorism → motivated by women's suicide

Violence

→ permanent treaty

Global system → Authoritarian

China led

Representative of culture → Africa - Post war

→ hunger / pandemic

एक ही धर्म के अंतर्गत ही अनेक धर्मों का विकास हो सकता है।
एक ही धर्म के अंतर्गत ही अनेक धर्मों का विकास हो सकता है।

www.visionias.in
Eye for eye will make whole world blind

अज्ञान ही धर्म - (1)

World is not just fair
 of impose their own value
 those one should not leave

→ Keshav Chandra
 of corrupt civil servants

SPACE FOR ROUGH WORK

- ① Meaning of essay
- ② Why world is constantly trying to make you something else
- ③ Why it is a greater accomplishment
- ④ How can we remain as yourself

- ① Against reform → Permanent status quo
- ② promote its social norms → Nazification
- ③ Majoritarian views imposition → adopt their value
- ④ Personal interest → Gandhi → Non violence

④ (a) Persistence in my value system → Civil servants, corrupt system, No honour, No integrity

⑤ Cleanly of Goals → Vinayakam, spiritual uplift

⑥ Understood attitude → Ambedkar, consistent, hiw

⑦ Prachin → Dharma → Seta, Ravan tried to persuade her

② Gandhi - Shreeya ante Moral power → Non violence
 World USA → condemn Russia / black out
 Gandhi's interest → when it remain yourself

Ultimate pleasures → Buddha, Nirvana, King, ultimate pleasure / liberate

④ open path for new things / reform → RRRoy - Sahi

④ Sometimes
 World may try to bring reform → leave orthodox am.
 1) Society-orthodox - Not successful in his reform
 2) Patistam → leavist religious, liberal tolerant society

Way forward

- ① Not leave negative value because of resist of world → force to bring reform in world
- ② Incomplete ethical value taught by us
- ③ Tribal hand practice - communal, human.

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS